

मिशन मंज़रिया

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक-कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन सरकारों से सीधा संवाद स्थापित किया। गांव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग-एक गांव' की योजना की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015-17 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गांवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम औराही, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान ने आदर्श ग्राम योजना को अनुभव-जन्य गति प्रदान किया।

इसी क्रम में महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव गोद लेने की परम्परा है, जिसे गति प्रदान करने हेतु बी.एड्. विभाग ने ग्राम मंज़रिया को गोद लिया है। निरन्तर शिक्षा, स्वास्थ्य स्वच्छता स्वावलम्बन की दिशा में अग्रसर है। गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2023-24 ई. को योजनानुसार महाविद्यालय नये सत्र के संचालन के साथ-साथ ग्राम मंज़रिया का संचालन सत्र के प्रारम्भ 22 जुलाई, 2023 से ही किया गया।

बी.एड. विभाग के ‘‘मिशन मंज़रिया’’ के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम

22 जुलाई, 2023

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड. विभाग के शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मिशन मंज़रिया के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम, मंज़रियां गाँव में आयोजित किया गया। पेड़—पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। ये हमें न सिर्फ आकसी देतलिक तमाम प्रकार के फल—फूल, जड़ी बूटियाँ और लकड़ियाँ आदि भी देते हैं। घर के आस—पास पौधरोपण करने से गर्मी, भू—क्षारण, धूल आदि की समस्या से बच सकते हैं। यदि हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छा जीवन जीना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़—पौधे लगाने के तरफ अग्रसर होना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।



संदेश दिया गया कि 'पर्यावरण प्रकृति का अनुपम उपहार है, जिसमें जीवन जीने के आधार के रूप में लिया जाना चाहिए।' इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.

एड् विभाग, की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह, विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी, सहायक आचार्य सुश्री दिप्ति गुप्ता एवं अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे एवं बी.एड्. के प्रशिक्षणार्थी अर्चना यादव, शिवांगी, शिवेन्द्र, आलोक सहित अन्य प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। "स्वस्थ और

सुन्दर भारत की परिकल्पना सदियों से रहा है। राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हरे—भरे पेड़—पौधे आज के भौतिकवादी और बाजारवादी जीवन

शैली से हो रहे नुकसान को कम करते हैं। पर्यावरण संकट से बचने के लिए हमें वृक्षों की कटाई को रोकना होगा तथा अधिक से अधिक पेड़ों को

लगाना होगा इस विचार को आत्मसात करते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



मिशन मंज़रिया, ग्राम भ्रमण

ग्राम भ्रमण निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र की पर्वी बांटकर प्रचार-प्रसार

06 अगस्त, 2023

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग के शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मिशन मंज़रिया के अन्तर्गत मंज़रिया गाँव का भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण छात्रों को वास्तविक ज्ञान प्रदान करते हैं। छात्र इनकी मदद से विषय—वस्तु का ज्ञान एवं उसके स्थान पर जाकर करते हैं। फलतः इस तरह का ज्ञान वास्तविकता के अति निकट एवं कहीं ज्यादा स्थायी होता है। इसी उद्देश्य को लेते हुए 'मिशन मंज़रिया' के अन्तर्गत 'ग्राम्य भ्रमण का आयोजन कराया



गया। इस भ्रमण के अन्तर्गत ग्रामवासियों को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के विषय में जानकारी दी गई, एवं मिशन मंज़रिया के अन्तर्गत मंज़रिया



गाँव में संचालित हो रहे विभिन्न शिक्षण केन्द्रों जैसे— स्वामी विवेकानन्द प्रशिक्षण केन्द्र, रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र, केन्द्रों पर जो कि बी.एड्. प्रशिक्षुओं द्वारा संचालित होता है को केन्द्रों के सुनियोजित ढंग से चलाने के लिए 'वार्षिक योजना' की जानकारी दी गई।



इस प्रकार बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम मंडरिया को पूर्णत शिक्षित करने के लक्ष्य को पूरा करने के पहले कदम के उद्देश्य हेतु इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की जानकारी हेतु भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



साप्ताहिक स्वच्छता अभियान

ग्राम मंड़रिया में सेवाव्रती छात्राध्यापकों एवं ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के द्वारा

सप्ताह में एक दिन शनिवार को अपने घर के सामने अपने परिसर क्षेत्र में स्वच्छता कार्यक्रम किया जाता है। इस अभियान के कारण ग्रामवासियों में अपने घर एवं अपने परिसर में सफाई करने के प्रति जागरूकता का विकास होता है। ग्रामवासी अपने परिसर को स्वच्छ बनाते हैं।

है।



साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रत्येक शुक्रवार को सभी छात्राध्यापक प्रभारी अपने केन्द्र पर पढ़ रहे बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं, जिसमें बच्चों को गायन, नृत्य, कविता आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस कार्यक्रम बच्चों एवं छात्राध्यापकों द्वारा ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यन्त सहायक होता है।



कला प्रतियोगिता

सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वार कला प्रतियोगिता का आयोजन भी केन्द्रों पर किया जाता है। कला के माध्यम से बच्चों द्वारा अपने मनोभावों को कागज पर चित्र के माध्यम से उकेत जाता है। कागज के पन्नों पर बच्चों द्वारा अपने बनाये गये चित्रों को दिखाते हुए बच्चे अपने को अत्यंत अहलादित महसूस करते हैं।



ग्राम मंज़रिया के लिए सेवाकृती छात्राध्यापकों के साथ योजना बैठक

08 अगस्त 2023 को बी.एड. विभाग में मिशन मंज़रिया को पुनः नये सत्र के संचालन हेतु बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों के साथ योजना बैठक कर नयी

योजना बनायी गयी। सभी शिक्षण केन्द्र सुनिश्चित किये गये। सभी शिक्षण के न्द्र के अलग—अलग प्रभारी एवं सहयोगी का चयन किया



गया। मिशन मंज़रिया के सेवा अभियान के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर विमर्श किया गया।



प्रभारी - आशीर्वाद कश्यप**1. माँ सीता शिक्षण केन्द्र**

- (A) अरुण कुमार
 (B) अर्पणा सिंह

2. सयाजी राव गायकवाड़ शिक्षण केन्द्र

- (A) आशीर्वाद कश्यप
 (B) पूजा मद्देशिया

3. रानी लक्ष्मीबाई केन्द्र

- (A) कुमार साधना
 (B) गीताजंलि सिंह

4. दीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र

- (A) श्वेता पटेल
 (B) बबली चौहान

5. माँ कात्यायनी शिक्षण केन्द्र

- (A) बबली चौहान
 (B) नरसिंह पासवान
 (C) गीताजंलि सिंह
 (D) अर्पणा सिंह

6. श्री पद्मिनी शिक्षण केन्द्र

- (A) नरसिंह पासवान
 (B) शालू मद्देशिया

7. स्वमी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र

- (A) श्वेता पटेल
 (B) आशीर्वाद कश्यप
 (C) कुमारी साधना

8. कात्यायनी शिक्षण केन्द्र

- (A) शालू मद्देशिया
 (B) अरुण कुमार
 (C) पूजा मद्देशिया

शिक्षण कार्य प्रारम्भ

ग्राम मंड़रिया में 10.08.2023 से सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वारा अपने—अपने आठ केन्द्रों पर शिक्षा एवं समाज सेवा का कार्य प्रारम्भ किया गया। प्रभारी एवं सहयोगी मिलकर सभी आठ केन्द्रों पर समूह बनाकर पढ़ाने बनाकर पढ़ाने का कार्य प्रारम्भ किये।






स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2023

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड, गोरखपुर के बी.एड. विभाग के मिशन मंज़रिया के अन्तर्गत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मंज़रिया गाँव में संचालित विभिन्न शिक्षा केन्द्रों पर 15 अगस्त के संचालित विभिन्न शिक्षा केन्द्रों पर 15 अगस्त के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराया गया। 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस का दिन भारतीयों के लिए गर्व और उत्साह की बात है। इस दिन भारतीय सांस्कृतिक धरोहर, स्वतन्त्रता संग्राम के शहीदों और महान नेताओं के संघर्ष का सम्मान करते हुए मनाया जाता है। इसी सम्मान के क्रम में बी.एड. विभाग के मिशन मंज़रिया के अन्तर्गत मंज़रिया ग्राम में स्वचालित विभिन्न शिखा केन्द्र जैसे—माँ सीता शिक्षण केन्द्र, सयाजीराव





गायकवाड केन्द्र, रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र, वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र आदि के सभी बच्चों और प्रशिक्षणार्थी एक ही केन्द्र 'सयाजीराव गायकवाड' केन्द्र पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किये, इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड्. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वतन्त्रता दिवस के महत्व के विषय में विद्यार्थियों को बताया गया इण्डारोहण करने के उपरान्त विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा जैस— परी चौहान, प्रीती चौहान, अनुराधा, सुकन्या, मुस्कान आदि द्वारा ग्रुप डॉस तथा वांशिका शर्मा, अनुराधा प्रजापति द्वारा स्पीच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाप्त होने के उपरान्त सभी विद्यार्थियों में मिष्ठान वितरित कराया गया।



सप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

सप्ताह के प्रथम दिन सोमवार को शिक्षण कार्य से पूर्व बच्चों को योग, व्यायाम, प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ शिक्षण कार्य के उपरान्त खेल कूद का भी अभ्यास कराया जाता है। खेलकूद, योग, प्राणायाम, ध्यान से सभी छात्र के आध्यात्मिक विकास की ओर मार्ग प्रशस्त करता हैं। साथ ही इस भौतिक जीवन को भी समरस बनाता है। योग, प्राणायाम, खेल के माध्यम से शरीर भी स्वस्थ्य बनता है। अरस्तु ने कहा कि “स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है।” यह इसी भावना को चरितार्थ करता है।





शिक्षक दिवस समारोह

मिशन मंज़रिया के अन्तर्गत 05.09.2023 को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी के न्द्र के बच्चे एकजूट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर शिक्षक दिवस कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया।





जन्माष्टमी कार्यक्रम

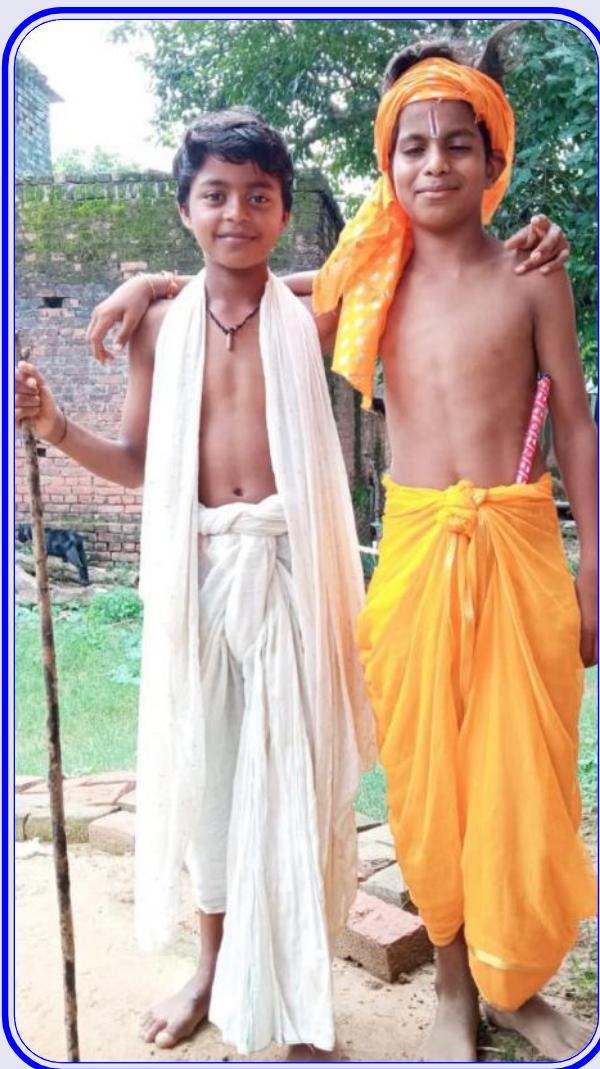
मिशन मंजरिया के अन्तर्गत 07.09.2023 को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर सभी केन्द्र के बच्चे एकजूट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर जन्माष्टमी कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।



गांधी जयन्ती

मिशन मंजरिया के अन्तर्गत 02.10.2023 को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ

मिलकर सभी केन्द्र के बच्चे एकजूट होकर सीता शिक्षण केन्द्र पर गांधी जयन्ती कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।



मंज़रिया ग्राम में चिकित्सा शिविर का आयोजन

19 दिसम्बर, 2023

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड विभाग द्वारा गोद लिए गांव मंज़रिया में मिशन मंज़रिया अभियान के तहत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मिशन मंज़रिया अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने बताया कि महाविद्यालय अपने संस्थागत सामाजिक दायित्वों के अन्तर्गत अपनी भूमिका का सक्रिय एंव सजग रूप से क्रियान्वयन कर रहा है। इसी क्रम में गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय, बाबा राघवदास मेडिकल कालेज एवं



महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम बालापार के चिकित्सकों द्वारा समय—समय पर महाविद्यालय के विविध विभागों द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गांवों में चिकित्सा शिविरों के माध्यम से अपनी सेवा प्रदान करते हैं। इसी अभियान के तहत आज ग्राम मंज़रियों में



गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों के निर्देशन में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 102 ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षक कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

शिविर के आयोजन में बी.एड. विभाग के आशीर्वाद कश्यप, अपर्णा सिंह, अरुण कुमार, पूजा मद्देशिया, नरसिंह पासवान, कुमारी साधना, स्वेता पटेल, बबली चौहान, गीतांजलि सिंह आदि छात्राध्यापकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।



गणतंत्र दिवस समारोह

ग्राम मंज़रिया में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी शिक्षण केन्द्र एक स्थान पर एकत्रित होकर रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र पर गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2024) का कार्यक्रम मनाये जिसमें सभी शिक्षण के बच्चे, प्रभारी, छात्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान, नृत्य, संगीत, गीत, कविता, चुटकुले आदि का आयोजन किया गया।



खेलकूद प्रतियोगिता

मन से मंजरिया के लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी बच्चों ने बढ़ - चढ़ कर भाग लिया। से वाव ती छात्राएं यापकों ने विजयी टीम को पुरस्कृत किया।



ग्रामीण महिला सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण

03 से 09 जनवरी, 2024

आत्मनिर्भर महिला, आत्मनिर्भर भारत की नींव है

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में जे.के. अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित एवं सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित 'उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति' के अन्तर्गत सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला आज से आरम्भ हुई। इस अवसर पर उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए सिगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर श्री पवन राजपूत ने कहा कि महिलाओं के स्वावलंबन से ही भविष्य के स्वावलंबी भारत का निर्माण सम्भव है। आज के तेजी से मजबूत हो रहे भारत में महिलाओं की भागीदार को और अधिक बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। सरकार की इन्ही योजनाओं में से एक महत्वपूर्ण योजना उन्नत भारत अभियान एवं मिशन शक्ति अभियान है। महिलाओं की उन्नति से ही, भारत उन्नत होगा। इस अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा गोद लिए गए गांव छोटी रेतवाहियां, बड़ी रेतवाहियां, मंज़रियां तथा हसनगंज के चयनित 1150 महिलाओं, बालिकाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण देकर इन्हें

आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर करने का कार्य प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षण कार्यशाला चार केन्द्रो महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र प्रथम एवं द्वितीय तथा महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स गोरखपुर पर संचालित हो रही है। आज कार्यशाला के प्रथम दिवस पर सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण



प्राप्त कर रही महिलाओं में तीव्र उत्साह दिखा। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर केन्द्र



पर श्री पवन राजपूत, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 01 पर श्री नरेश कुमार, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 02 पर श्री ललित सरोज एवं महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स गोरखपुर केन्द्र
पर श्री मोहित द्वारा प्रशिक्षण कार्य किया गया। आज प्रशिक्षकों द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई मशीन का सामान्य परिचय देते हुए सिलाई मशीन के विभिन्न उपकरणों, उनकी कार्यप्रणालियों एवं इनमें रख-रखाव तथा मरम्मत का प्रशिक्षण दिया गया।



साथ ही आज प्रशिक्षकों द्वारा सिलाई मशीन एवं उनके उपकरणों की एक छोटी से प्रदर्शनी भी लगाई गई। आज चारों केन्द्रों पर 2-2 पालियों में 1100 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाविद्यालय के उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने चारों केन्द्रों के प्रशिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित किया।



समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : श्री अवनीश अवस्थी

भारत का विकास गांधो के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में छिपा है। भारत आज सशक्त राजनैतिक नेतृत्व के हाथों में है। आज भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी में विकसित देशों के कन्धे से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्यात का औषधिका क्षेत्र हो या रक्षा उपकरणों के निर्माण का सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। आज पूरा विश्व आशा के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जे.के. अर्बन सेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निःसन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति'



प्रकल्प के अन्तर्गत जे.के. अर्बन सेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निःसन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत

ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जे.के. अर्बन सेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के सलाहकार श्री अवनीश कुमार



अवस्थी ने कहीं। उन्होने आगे कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के तमाम सारी सरकारी योजनाओं के केन्द्र के महिलाएं हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने

की सोचना बेमानी है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि भारत के आजादी के शताब्दी वर्ष यानी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पिपराईच विधान सभा क्षेत्र के माननीय विधायक श्री महेन्द्रपाल सिंह जी ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। गांवों की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। इस दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद निरन्तर सजग रूप से पूर्वाचल के विकास में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है और देश के सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरखपुर जिला के माननीय जिलाधिकारी श्री कृष्ण कर्णेश ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को



की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं की भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। इस दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद निरन्तर सजग रूप से पूर्वाचल के विकास में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है और देश के सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरखपुर जिला के माननीय जिलाधिकारी श्री कृष्ण कर्णेश ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को

सम्बोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें आर्थिक दण्डित से स्वावलंबी बनाने में मद्दत करे गा। उपस्थित प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान

को सिर्फ अपने पास तक सीमित न रखें। ज्ञान व हुनर बांटने से बढ़ता है। अतः यहाँ कार्यशाला



से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रत्येक महिला का यह धर्म है कि वह अपने आस-पड़ोस की कुछ महिलाओं को यह हुनर सिखाए। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं से स्वयं सहायता समूह के निर्माण की भी बात कही कि इससे हर महिला की आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय में गोरखपुर में ऐसे ही 16 लगभग हजार से ज्यादा महिलाओं के स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं



तथा विविध सरकारी योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के तकनीकी सलाहकार डॉ. जी.एन.सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि महिलाओं के सहयोग के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है। मिशन शक्ति एवं उन्नत भारत अभियान जैसे प्रकल्पों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में इस संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्य प्रशंसनीय हैं। कार्यक्रम में सिंगर इंडिया लिमिटेड की एच.आर. हेड श्रीमती अल्पना शरना ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को उनके प्रशिक्षण सम्बन्धी पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी अन्य सामान्य जानकारी से परिचित कराया। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत किया। जे.के. समूह के वाइस प्रेसीडेंट श्री आशीष चौहान जी ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने एवं अतिथि आभार डॉ. मंजेश्वर ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवांन्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का संस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

जे.के. अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत आयोजित सप्त दिवसीय सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के चौथे दिन आज सिंगर इंडिया लिमिटेड की मुख्य प्रशिक्षिका सुश्री मनप्रीत ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर केन्द्र पर सिलाई के विविध प्रकारों के विषय में प्रशिक्षुओं को जानकारी दी। सुश्री मनप्रीत जी ने केन्द्र पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर बनाना है। सिलाई-कढ़ाई के कौशल ज्ञान से परिपूर्ण महिला देश के आर्थिक विकास में सहयोगी बनें, इसी को ध्यान में रखकर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन बड़े पैमाने पर सरकारी दिशा निर्देश एवं संरक्षण में किया जा रहा है। आज के तीनों प्रशिक्षण सत्रों में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम केन्द्र 1 एवं 2 तथा महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ केन्द्र पर सिलाई-कढ़ाई के विस्तृत पाठ्यक्रम की जानकारी देने के साथ-साथ सिलाई मशीन के पुर्जों की क्रिया विधि एवं मरम्मत, अस्थाई सिलाई, टी.टी. लीवर, शटल हुक, फीड डाग और सुई के साथ बाबिन केस के बीच सिलाई प्रक्रिया, विभिन्न प्रकार के मेजरिंग स्केल एवं विभिन्न प्रकार के परिधानों का नाप लेना सिखाया गया। इस अवसर पर तीनों केन्द्रों में कुल मिलाकर 800 से अधिक प्रशिक्षणार्थी महिलाएँ उपस्थित रहीं।



भारत की उन्नति में महिलाओं का अहम योगदान है— डॉ. श्रेयांशु कुमार जैन

एक राष्ट्र तभी सशक्त बन सकता है, जब उसका प्रत्येक नागरिक सशक्त हो। राष्ट्र के सशक्तिकरण में महिलाओं की भूमिका अहम है। स्वतंत्रता पूर्व भारत में महिलाओं की स्थिति अत्यन्त चिन्ताजनक थी, स्वतंत्रता के बाद से ही भारतीय महिलाओं का सर्वांगीण विकास हमारे नीति निर्धारकों का केन्द्रीय विषय रहा है। भारत की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा 1970 के दशक में जहाँ महिला कल्याण की अवधारणा अपनायी गयी, वहीं 1980 के दशक में उनके विकास पर जोर दिया गया। 1990 के दशक में महिला अधिकारिता यानी सशक्तिकरण पर जोर देने के साथ ही यह प्रयास भी किया गया कि महिलाएँ निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल हों एवं नीति निर्माण के स्तर पर भी उनकी सहभागिता रहे। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। इस क्रम जेऽके० अर्बनसेप्स डेवलपर्स

लिमिटेड एवं सिंगर इण्डिया लिमिटेड ग्रुप द्वारा आयोजित निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निःसन्देह महिलाओं के स्वावलंबी बनने में मददगार होगी। उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत



जेओके० अर्बनसेप्स डेवलेपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित एवं सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सप्तदिवसीय (03—09 जनवरी) निःशुल्क सिलाई—कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के समारोप कार्यक्रम के अवसर पर आई.आई.टी.बी.एच.यू. के आचार्य डॉ. श्रेयांश कुमार जैन ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि स्वावलंबन नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है, स्वावलंबी होने से



महिलाओं का स्वाभिमान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही वह प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता भी प्राप्त कर लेती है। आर्थिक दषष्टि से स्वावलंबी होने से महिलाओं को हीन भावना से भी मुक्ति मिलती है, इसीलिए आज के वर्तमान समय में महिला शक्ति को परजीवी न होकर स्वावलंबी बनना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन देते हुए आई.आई.टी.बी.एच.यू. के आचार्य डॉ. मनहर चरन जी ने कहा कि महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से चर्चा एवं चिन्ता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद, भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में, महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत सरकार के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आई.आई.टी.बी.एच.यू. के



महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत सरकार के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आई.आई.टी.बी.एच.यू. के

आचार्य डॉ. शैल शंकर जी ने उपस्थिति प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने में सहयोगी होगा। आगे उन्होंने कहा कि महिला स्वावलंबन का अर्थ केवल आर्थिक आत्म निर्भरता नहीं है, बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उसकी स्वतंत्रता से है। एक महिला गृहणी होते हुए भी स्वावलंबी होती है। स्वावलंबी होने का अर्थ मात्र नौकरी, व्यवसाय अथवा किसी प्रोफेशन के माध्यम से धन आर्जित करना नहीं है बल्कि एक महिला का परिवार एवं समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री आशीष कुमार सिंह ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत सरकारी योजनाओं को आमजन तक बताने एवं पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति के अन्तर्गत निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है।



यम से धन आर्जित करना नहीं है बल्कि एक महिला का परिवार एवं समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री आशीष कुमार सिंह ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत सरकारी योजनाओं को आमजन तक बताने एवं पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में उन्नत भारत अभियान में मिशन शक्ति के अन्तर्गत निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को

प्रशिक्षित कर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम संयोजक डॉ. मंजेश्वर ने सप्तदिवसीय निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के तीन प्रशिक्षण केन्द्रों पर आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम-मंज़रियाँ, छोटी रेतवाहियाँ, बड़ी रेतवाहियाँ एवं हसनगंज की 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।



गोरखपुर के तीन प्रशिक्षण केन्द्रों पर आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम-मंज़रियाँ, छोटी रेतवाहियाँ, बड़ी रेतवाहियाँ एवं हसनगंज की 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

कार्यशाला के माध्यम में महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ-साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आभार ज्ञापन

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिष्ठा सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवांन्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा



सरस्वती वन्दना, संकल्प गीत एवं वन्देमातरम् सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।



बारह स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि

सत्य संभव संवाददाता

गोरखपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया।

सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मरीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जैके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य



अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत ग्राम अभियान एवं मिशन जिलाधिकारी कृष्णा करुणा भौजूद रहेंगे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर

◆ प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को मुफ्त दी जाएगी सिलाई मरीन

महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप कृष्ण कॉलेज जंगल धूसढ़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमर्चारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज में ऊन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिंग्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

अंतर्गत मंज़रिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाक्रम-2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृष्ण इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमर्चारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज में ऊन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिंग्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को मुफ्त दी जाएगी सिलाई मरीन

मखोड़ा सदैश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मरीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जैके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और



कृष्ण करुणा भौजूद रहेंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज)

इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कृष्ण इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है।

निशुल्क सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत हसनपुर गांव और

पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम- 1 केंद्र के अंतर्गत मंज़रिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाक्रम-2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृष्ण इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमर्चारी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज में ऊन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिंग्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

बारह स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

संवादसार

प्रशिक्षण का कार्यक्रम बघवार से जा रहा है। प्रशिक्षण का करुणेश मीजुद रहेंगे।

शुरू हो गया। सात दिवसीय औपचारिक उद्घाटन मुकुवाद को महाराणा प्रताप शिख परिषद् नंबर, महाराणा प्रताप बालिका गोरखपुर। महिलाओं की प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को महाराणा प्रताप स्नानकोहर की नई पहल के बारे में डटर कॉलेज दिविल लाइसेंस, बहराणा प्रताप कूपर इंटर कॉलेज जंगल धस्क, छोटी



- ① 'गुरुवार को होंगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि'
- ② प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को मुफ्त दी जाएगी सिलाई मशीन'

एम्पीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह काक्षयक्रम उन्नत मार्त वर्षायां एवं मिशन शाली कॉलेज द्वारा संचालित प्रशिक्षण के तहत किया जा रहा है। कॉटेप्रशिक्षण दिया जा रहा इसमें शिक्षा परिषद की कई है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ संस्थाएं जैसे महाराजा प्रताप सेवाक्रम-1 कॉटेप्रशिक्षण उन्नताको एवं नहायितालय मंदिरिया और बड़ी रेतपिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर अफिसर पदन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एम्पीपीजी कॉलेज ने उन्नत मार्त अभियान के प्रमाणी हाँ नंजेश्वर तथा मिशन शाली अभियान की प्रभाती श्रीमती शिला तिंक ती सक्रिय सहायिता की

बारह स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

गुरुवार को होगा
औपचारिक उद्घाटन,
सीएम के सलाहकार
अवनीश अवस्थी होंगे
मुख्य अतिथि

उत्तराखण्ड

नगर संवाददाता / गौरखुपुर।
लाओं को आत्मनिर्भर बनाने
दिया में महाराणा प्रताप (एमपी)

शिक्षा परिषद की नई फैल से बार केंट्रो के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए नियुक्त सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अवैनसेस डेवलपमेंट लिमिटेड कानूनपूर्व द्वारा प्रयोगित है और सिगर इडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन मुरलांब को महाराजा



प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीटीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़ में किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशेष अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश मौजूद होंगे। महाराष्ट्रा प्राप्ति शिक्षा परिषद की नई फैहरी के बारे में एपीटीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीपु कुमार राव ने कहाया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराष्ट्रा

प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
(एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसद,
महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज
सिविल टाइस, योगी गंभीरनाथ
सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कूषक इंटर
कॉलेज जंगल धूसद, महाराणा प्रताप
कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय
रमदत्तपुर महालक्ष्मी भूमिका का
निवेदन कर रही है। नियुक्त
सिलाई-काढ़ी का प्रशिक्षण चार
केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू
किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज
केंद्र के अंतर्गत हसलपुर गांव और
कॉलेज द्वारा संबलित प्रशिक्षण

केंद्र पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगीराज बाबा गंगेशनाथ सेवाश्रम-1 केंद्र के अंतर्गत मंड़ारिया और दृष्टि रेतवहिया गांव, सेवाश्रम-2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कुलक इटर कॉलेज जगल धुसद, छोटी रेतवहिया व वरुचपुर कम्भरी तथा महाराणा प्रताप बालिका इटर कॉलेज सिविल लाइस केंद्र के तहत इस कॉलेज महाराणा प्रताप कन्या इटर कॉलेज रमदतपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए एक प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे ही है।

रवीनियादानेंडीडीयू के उपकुलसंचिव

गोरखपुर द्विनद्याल उत्तराखण्ड गोरखपुर विश्वविद्यालय के सहायक कुलसंचिव रवि कुमार नियाद को शासन ने उप कुलसंचिव पद पर प्रमोट कर दिया है। मूल रूप से प्रधानमार्गल के कर्तवी निवासी रवि नियाद वर्ष 2020 में सहायक कुलसंचिव पद पर बथनित हो गए थे। बथन के बाद उन्हें डीडीयू में ही पहली नियुक्ति मिली थी। वे सहायक कुलसंचिव (प्रोफेस) के रूप में सेवा दे रहे हैं। अब वे डीडीयू में ही उप कुलसंचिव हो गए। उनके उप कुलसंचिव बनाए जाने के आदेश के बाद कुलपति प्रो. पूर्णमठंडन, कुलसंचिव प्रो. शांतनु रसतानी, वित्त अधिकारी संस्कारक शव्वि, उप कुलसंचिव चन्द्रशी धीमान, लेखिकाकारी डीसी लाल, संपादित अधिकारी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बधाई दी है।

बारह स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि

निष्पक्ष प्रतिदिन। गोरखपुर, ब्यूरो

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश मौजूद होंगे।



में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, योगी गंभीरनाथ सेवाश्रम, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज व महाविद्यालय रमदत्तपुर महात्मपर्ण भूमिका व

१२ स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

- गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि
- प्रशिक्षण प्राम महिलाओं को मुफ्त दी जाएगी सिलाई मशीन गोरखपुर (विधान केसरी)

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बारह स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की जाएगी।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोप्तव्यानाथ विद्यालय भूमिका पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की वालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया डेवलपर्स लिमिटेड के सीनियर अफिसर एवन रामपूर, नरेंद्र कुमार, ललित सोनी, मोहित एमपीपीजी कॉलेज में उत्तर भारत अभियान के प्राप्ती डॉ. मंजूर शर्मा तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी श्रीमती शिशा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।



प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत रमदत्तपुर गाव और कॉलेज द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगिशाज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम, 1 केंद्र के अंतर्गत

मंज़रिया और बड़ी रेतवालीया गांव, सेवाश्रम 2 केंद्र के तलत महाराणा प्रताप कृपक इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, छाटी रेतवालीया व चतुर्थ श्रीमी कमचांदी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोप्तव्यानाथ विद्यालय भूमिका पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है।

समाजके विकासमें महिलाओंकी भूमिकामहत्वपूर्ण

गोरखपुर, निज स्थवरददाता। भारत का विकास गांवों के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में हिला है। आज भारत विकास की सभी विधायाओं में लेजी से विकसित देशों के केंद्र से केंद्र मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का बोत्र ही या नियोग, अधिकारी या रक्षा उपकरणों के नियोग का सभी देशों में भारत की प्रति विद्युत में कौटुम्बन पैदा कर रही है। ऐसे में हमें आधी आवादी अधिक महिलाओं के विकास एवं स्वावलम्बन की ओर और अधिक कार्य करने की ज़रूरत है।

यह बातें मुख्यमंत्री के सलाहकार अवसीरा कुमार अवस्थी के बोत्र गुरुवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसढ़ में सात दिवसीय निःशुल्क सिलाइ-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उद्घाटन कार्यक्रम के बोत्र अर्बनसेप्स डेवलपमेंट्स एवं सिंगर गुप्त द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यशाला महिलाओं के अधिक स्वावलम्बन में मैला का परिवर्तन संबोध द्दोमा। केन्द्र और राज्य सरकार की तरफ योजनाओं के केन्द्र में महिलाएं हैं। मुख्य अतिथि पिपड़च के विश्वायक रहेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि भारत की



महिलाओं के सहयोग से ही देश का विकास : जीएनसिंह

अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महिलाओं के सहयोग के बिना भारत का विकास सम्भव नहीं है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन छी दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है।

महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन छी दिशा में अपना सक्रिय योगदान दे रहा है। जाने वाले कार्य प्रारंभनीय हैं।

आवादी गांवों में बसती है। यामीण महिलाओं के अधिक स्वावलम्बन की विद्या में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यशालाओं को भूमिका महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला के बारे में बताया

प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों का स्वागत किया। सिंगर इंडिया ली एवार डॉ. अल्पना शर्मा ने प्रशिक्षियों को कार्यशाला के बारे में बताया।

ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आवादी बदाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें अधिक दृष्टि से स्वावलम्बन बनाने में मदद करेगा।

12 स्थानों पर शुरू हुआ निःशुल्क सिलाइ प्रशिक्षण

गुरुवार को होगा औपचारिक उद्घाटन, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी होंगे मुख्य अतिथि

अमर भारती ब्यूरो

गोरखपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद की नई पहल से चार केंद्रों के अंतर्गत बाहर स्थानों पर कुल 1150 महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाइ-कढ़ाई के प्रशिक्षण का कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। सात दिवसीय प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को मुफ्त सिलाइ मशीन वितरित की जाएगी। प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम जेके अर्बनसेप्स डेवलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित है और सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़ में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश मौजूद रहेंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नई पहल के बारे में एमपीपीजी



कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्नत भारत ग्राम अभियान एवं मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। इसमें शिक्षा परिषद की कई संस्थाएं जैसे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी कॉलेज) जंगल धूसढ़, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज में उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी शिप्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

निःशुल्क सिलाइ-कढ़ाई का प्रशिक्षण चार केंद्रों के अंतर्गत 12 स्थानों पर शुरू किया गया है। एमपीपीजी कॉलेज केंद्र के अंतर्गत हसनपुर गांव और कॉलेज द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण

दिया जा रहा है। योगिराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम- 1 केंद्र के अंतर्गत मंड़रिया और बड़ी रेतवहिया गांव, सेवाश्रम-2 केंद्र के तहत महाराणा प्रताप कृष्णकॉलेज इंटर कॉलेज जंगल धूसढ़, छोटी रेतवहिया व चतुर्थ श्रेणी कमचरी तथा महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस केंद्र के तहत इस कॉलेज, महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर व गुरु श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ भरोहिया पर प्रशिक्षण शुरू हुआ है। 15 से 40 वर्ष तक की बालिकाओं और महिलाओं के लिए इस प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन दो घंटे की है। बुधवार को प्रशिक्षण के शुरू होने पर सिंगर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर आफिसर पवन राजपूत, नरेश कुमार, ललित सरोज, मोहित, एमपीपीजी कॉलेज में उन्नत भारत अभियान के प्रभारी डॉ. मंजेश्वर तथा मिशन शक्ति अभियान की प्रभारी शिप्रा सिंह की सक्रिय सहभागिता रही।

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश

एमपी महाविद्यालय में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। भारत का विकास गांवों के विकास एवं उनके स्वावलंबन में छिपा है। समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत आज सशक्त राजनीतिक नेतृत्व के हाथों में है। भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी से विकसित देशों के कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहीं। वह महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में बृहस्पतिवार को 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अंतर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लि. और सिंगर इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित सात दिवसीय निश्चल्क



एमपी महाविद्यालय जंगल धूसड़ में प्ररिक्षण कार्यशाला में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीरा कमार अवस्थी को स्मृति चिह्न भेट करते डॉ. प्रदीप कमार राव। संकाद

सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमें भारत की आधी आवादी के विकास एवं स्वावलंबन के लिए और कार्य करने की जरूरत है। कार्यक्रम को पिपराइच विधायक महेंद्र पाल सिंह, डीएम कम्पा करुणेश ने संबोधित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे
मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार

डॉ. जीएन सिंह ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों का स्वागत किया। जेके समूह के बाइस प्रेसीडेंट आशीष चौहान ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी है।

महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रगतिसंबंधी अवसर : डॉ. मनहर

新編卷四

गोदावरु। भृत्यां प्रायीन
काल से ही भारत की संस्कृति
और समाज का इतिहास रही
है। वृत्तिकार के वाचना बात
में भृत्यांतों की दिशाएँ कई बदली
ते बदल और विद्या का विषय
रही है। हाल के वर्षों में हुए
प्रगति के बावजूद भारत में
भृत्यांतों को आता ही जब भृत्यां
एवं भृत्यांतों का सामाजिक



- **महाराष्ट्र**
- **सिलेस्ट्री**
का संग्रह
- **देशी वाहन**
पूरी भारतीय
संग्रहालयों
में स्थापित होने की
विचारना का स्वरूपनाम
जनसंकलन बना।

प्रताप मरुविद्या
कङडू प्रशिक्षण का
माध्यन समरोह'

ते तो ये नुस्खा लिखते हैं। इसकी जात के दौर में विभिन्न स्थान शहरों को पारदर्शन के लिए अधिकारियों द्वारा बनायी गयी थीं। स्थान विभिन्न जातों के द्वारा बनायी गयी थीं। इसकी जात के दौर में विभिन्न स्थान शहरों को पारदर्शन के लिए अधिकारियों द्वारा बनायी गयी थीं।

स्थित हाली के समान आये। कार्यक्रम का अवधारणा विषय में बहुत सारी विवादों ने उभयनामी की ओर आकर्षित की गई। इस अवधारणा के संगीत को प्रश्नात्मक रूप से व्याख्याता बनाने की कोशिश की गई। एक व्याख्याता के द्वारा एक व्याख्याता को व्याख्याता की तरफ ले जाना चाहिए। इस अवधारणा के संगीत को व्याख्याता की तरफ ले जाना चाहिए। इस अवधारणा के संगीत को व्याख्याता की तरफ ले जाना चाहिए। इस अवधारणा के संगीत को व्याख्याता की तरफ ले जाना चाहिए। इस अवधारणा के संगीत को व्याख्याता की तरफ ले जाना चाहिए। इस अवधारणा के संगीत को व्याख्याता की तरफ ले जाना चाहिए।

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश अवस्थी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

गोरखपूर। भारत का विकास गांधी के विकास एवं उनके स्वाधीनन्म में दिखा है। भारत आज सशक्त राजनीतिक नेतृत्व के सभी लोगों में है। अब भारत विकास की विधाओं में तेजी में विकसित देशों के काम से कथा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्घोरों का क्षेत्र ही या विनाश, अधिकारी या रक्षा उपकरणों के सम्बन्ध में। सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में जौतुलूप पैदा कर रही है। आज पूरा विश्व आज के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत का आवादी अधिकारी भाइहाऊओं के विकास एवं स्वाधीनन्म की ओर और और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जेके अन्तर्देशीय डेवेलपमेंट एवं स्वरूप द्वारा आयोगी नियामन करकी प्रशिक्षण कार्यालय नियमदंड भाइहाऊओं के आधिक स्वाधीनन्म में मौत का पथर समिक्षा होगा। उक्त जाति महाराष्ट्रा प्रताप महाराष्ट्रा के अधिकारी गोरखपूर में जाति भारत आज गंगा धूमधार में भिन्न शक्ति' प्रकार के

जिलाधिकारी कृष्णा करुणे ने कहा कि वह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आवाज बढ़ाने में सहायता करने के साथ ही उन्हें अधिकारी दूसरे समाजसेवी कार्यक्रमों के लिए भूलक्षणीय वित्तीय सहायता देने के लिए भी उपयोग करेगा। सभी ही उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं में सर्वथा सहायता समूह के निर्माण की भी वात ली जाएगी कि इससे उन्हें महिलाओं की अद्भुत बढ़ोगी। अधिकारी दूसरे रोड़े खुलखलीयों के तकनीकी स्लाइडर डॉ. जी.पी.सिंह ने कहा कि महिलाओं के सहयोग के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महाराष्ट्र प्राप्तवा महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक सार्वजनिक सहयोग कर रहा है। इसमें पूर्ण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप शर्मा ने उत्तरित अधिकारी दूसरों का स्वागत किया। जे.के.समूह के वाइस-प्रेसिडेंट अशीष चौलेन ने कार्यक्रम की प्रस्तावना की प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती राजा रिंगे ने एवं अंतिम आभार डॉ. भंडेश्वर ने शापिंग किया।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह
महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

आस्कर व्युटी

गोरखपुर। महिलाएँ प्रायीनी काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। स्वतंत्रता के पश्चात् भारत में महिलाओं की स्थिति कई वर्षों से बहस् और चिंता का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रतिक्रिया के बावजूद भी महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सम्बोधन बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और अक्षयक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियों को लागू किया है।

यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा



परिवद के तत्त्वावधान एवं महाराजा प्रतांग महिन्द्रालय, जगल धूसङ्क, गोरखपुर में उन्नत भरत ग्राम अभियान में विश्वास शक्ति प्रकल्प के अन्तर्गत जैके अविसर्जन्य डेवलपमेंट काम्पनी द्वारा प्रयोजित तथा सिरमर इन्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सार दिवसीय नियुक्ति सिलाई-कार्ड प्रशिक्षण कार्यशाला के समाप्त रूप में बंगलवाल को बतौर मुख्य अधिकारी आईएसीटी और एचयू के आधार डी एस बचपन ने कही। उन्होंने कहा कि महाराजा

प्रताप शिंका परिवद का महिलाओं को अल्पसमीकरण बनाने के प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से किया जा रहा प्रधान अधिकारियों एवं सरकारी है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला से उन्हें परिवर्त को सशक्त बनाने के साथ समाज व देश के विकास में भी योगदान देने का अवसर मिलेगा।

हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। इस दृष्टिकोण से हमें भारत की आधी आवादी यानी महिला कोंक्स के स्वामीनान और उनकी आलननिर्भरता को दिशा में और अधिक कारब करने की आवश्यकता है। उन्होंने आजादी के पूर्व और बाद महिलाओं के हालात पर विशद चर्चा करते हुए कहा कि स्वामीनान नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वामीनाहों से महिलाओं का स्वामिनान और आत्मसम्मान बढ़ता है। इसके बावजूद कृति-प्रतिकृति परिवर्तनियों को नकारने की क्षमता प्राप्त कर लेती है। अधिक दृष्टि से स्वामीनाहों से महिलाओं को हीन भावना से भी युक्ति निलटी है। इसलिए आज को दौर में महिला सशक्ति को प्रतिजीवी न होकर स्वामीनाहों बनना चाहिए।

महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयासः डॉ. मनहर

गोरखपुर (स्थान आवाज)।

मौलिक व्याचार काल में से ही भारत को संस्कृती और सम्पद का अधिकार आया है। मराठाओं के पक्षान्तर भारत में मराठाओं को स्थिति बन्द रखने से वहसू और चिंता का प्रभाव होता है। सात के बारे में दूर्घट्ट प्रभाव के बावजूद भारत में मराठाओं को अब भी एक ऐसी समस्या पर चूपीचढ़ी का सवाल करता है। यह शब्द ही विषय कुछ तरह में मराठाओं से महसूस करने के भारत के प्रश्नों में काढ़ समाजशास्त्रिक विषय हूँ है। मराठा ने मराठाओं के स्वरूप, शिक्षा और अधिकार अपने से मुक्ता लाने के लिए से काम किया है।



10

- जहारांचा प्रताप
गाहवियालव नें हिलाई
कळाई प्रतिवधन काढूनला
का सामाजिक समाजाते

मध्य समाज व देश के लिखितमें भी वेदान्त देवों का अवसर मिलता है। इन अवसरों पर विशिष्ट अदीर्घि अवृद्धिरहस्य, लंग-पूजा के आचार तथा वेषांग कुरार लैने के काह कि विशेष रूप की पूजा तिथि तो ही मनुष्यों के जन जन्म विकास के लिए बहुत में महत्वात्मक होती ही पूजा पार्थिवी हो। इन द्वृकृष्णण से पूजे भागत के अधीक्षी यशोदा चन्द्र महितांत्रों के स्वावलंबन और उनको

आपनीर्वता को दिया में और अधिक काम करने को आवश्यकता है। उसने आवादी के पूर्व और बदलनीओं के हातों पर यह निरहु चर्चा करते हुए कि व्यापकता की विविधता को लाभ लानी सोची है। मानविकी होने से बदलनीओं का स्थानियमन और आपसमें बढ़ाता है। इससे वह प्रतिकूल परिस्थितियों को नियन्त्रण की शक्ति प्राप्त कर लेती है। आधिक वृद्धि से व्यापकता होने से बदलनीओं को ही हाल आपका से भी पूर्ण मिलता है। इसलिए, अन्त के दौर में महिला शक्ति को परायीनी ने देकर जन्म लाया था। मानविकी मध्यम समरोगी की अवश्यकता करते हुए मानवांश प्रताप माहिलात्मक के द्वारा दिए गए प्रतीक बहुत राश ने कहा कि इस प्रसिद्धि के निरीय मानवांश प्रताप रिक्षा विहारे ने 1150 परिवारों को आपनीर्वता बढ़ाने की घटल झुक की है। इसके अलावा इसकी प्रशंसन देखने आयी। कारबाह का मानवान श्रीमती रिक्षा रिक्ष ने किया। इस अवसर पर माहिलात्मक को छाड़ाओं लिवान्डा, ट्रैकिंग पर्सनेलिका द्वारा मर्यादित बनना, मध्यमतीरी, स्कॉल्प गोल तथा नदेन्द्रियों का मर्याद बनन रिक्षा वजा। कारबाह में माहिलात्मक के सभी प्रशंसन कोडों पर प्रशंसन करता है। स्कॉल्प में माहिलात्मक के सभी प्रशंसन कोडों पर प्रशंसन करता है। सप्तसंस्कृत मीटिंग्स प्राप्त कर रही सप्तसंस्कृत मीटिंग्स उद्दीपिता है।

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश अवरथी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

(continued)

गोरखपूर- भारत का विकास यहाँ से शुरू होता है। एवं उनके स्वतन्त्रतयन के मौजूद है। भारत आज सबसे बड़ा राष्ट्रीयतात्मक देश बन गया है। आज भारत विद्यामयी की सभी विधाओं में जैसी मैं विकल्पित देशों के विवरण से बड़ा विभिन्नता और विवरण रखा गया है। उन्होंने कांथ देश का चिन्हित, और पर्याप्त वा अधिक उपकरणों का विवरण किया। सभी विधाओं में भारत की प्राचीन विद्या विवरण में वर्णित रिकॉर्ड रख रही है। आज यहाँ विद्या का विवरण कर सकता ही और देख सकता है। ऐसे में हमें भारत को आजी आजायी प्राचीन विधाओं के विकास एवं स्वतन्त्रतयन की



महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे प्रयास

गोरखपुर(एसएनबी)। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियां लागू की हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास सराहनीय है।

यह बातें डॉ. मनहर चरण आचार्य आईआईटी बीएचयू ने कहीं। वे मंगलवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावधान में महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेस्प डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के सम्बन्ध अतिथि संवेदित कर रहे थे।

आईआईटी वीएच्यू के आचार्य डॉ. श्रेयश कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र को पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहाँ विकास के हरेक क्षेत्र में पहिलांखों की भी पूरी भासीदारी हो। आईआईटी वीएच्यू के आचार्य डॉ.



महाराणा प्रताप महाविद्यालय मे आयोजित निशुल्क सिलाई कढाई प्रक्षिण कार्यशाला के समापन अवसर पर संबोधित करते प्रो मनहर चरण

■ एमपी महाविद्यालय में
सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण
कार्यशाला का समापन

शैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहयोगी होगा।

इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने

प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मंजेश्वर ने सात दिन तक चली निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को सिलाई मशीन के उपकरणों एवं क्रियाविधि के साथ उसके कुशल संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया।

महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

દેવ કા જીવની જ અભ્યાસાની કા દૂર અભ્યાસાની શિખણ : શ્રી. પ્રદીપ

सहायता करने के सभी उद्देश्यों में सहायता ही होता। उठाने-पड़ने के लिए भूमिका सहायता करने के अधीक्षण और अधिकार आवश्यक आवश्यनितता नहीं ही बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उसको सहायता करने से है। समयान्तर समयान्तर की अध्यारोपण करने हुए महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार गवाने कहा कि इस प्रशिक्षण के अधिकार महाराणा प्रताप शिक्षा प्रशिक्षण में 1150 परिवर्तनों को अवश्यकर बनाने की पहल शूल आयी। इसके अगाध अधिक परिवर्तन मानने आये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति शिप्रा सिंह द्वारा किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवान्या, दीपशिखा एवं शोनिका द्वारा सरकारी नगदना, बद्धावली, दंडकंप मीठी तथा बन्देमाटदम् का सम्बन्ध गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उत्सवित हीं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास अभिनंदनीय एवं स्वाहनीय है। डॉ मनहर चौराणी

परिवार भवा की संस्कृति और मानव का अधिक बोलते हैं। अब यहाँ ही उत्तर देखना



महिलाओं के स्वावलंबन को और ज्यादा करने होंगे प्रयासः डॉ. श्रेयांशु

महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर



महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित निश्चलक बिलाई कड़ाई प्रशिक्षण कल्याणाला के समापन समारोह को संबोधित करते भूख्य अतिथि प्रो. मनहर घरणा

600-0000000000

(श्रीगगति)
गोरखनाथ-विद्यालय प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और समाज का अधिनियम अग्र ही रही है। विद्यालय के पाताला भारत में महिलाओं को बढ़ावा देकर वर्षों से बदल और विद्या का विषय रही है। हाल के वर्षों में हुई प्रकाटि के बाबतना भारत में महिलाओं को अपने जीवन की खींचें पर मुख्य-विद्यालयों का सामान बन गया है। विद्यालय कुछ वर्षों से महिलाओं वर्षों को सशक्त बनाए के बाहर प्रकाशों में कई सालाना कालिकार हुए हैं। इसके बाहर महिलाओं के स्वरूपस्थ, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के लिये बड़ी कार्यक्रम और नीतियों को लाने लगा किया है। यह वर्तमान सामाजिक प्राचार विद्या परिषद् के तत्वावधान

महाराष्ट्र प्राप्त महाविद्यालय, जलवा
गोरखपुरुष से उनकी भावत
से उनकी नीति नहीं प्रकाश के अन्तर्गत
विवेचन देखने के लिए इन्हें काम करने
से उनका ताकिया ताकिया लिया गया।
योगी से आर्योग्य से उनका दिव्यसीरी
सिलसिला कहां प्रकाशित करने का
उनका नियम है। यह अद्वितीय
आई और अद्वितीय बोलावृक्ष के
द्वारा मनहर बचने की कही। उन्होंने
महाराष्ट्र प्राप्त विविध विद्याका
से उनकी आवाजनीकरण का प्रबोधन
लेकर विविध एवं विविध शैली
में विविध विविध विद्याका
विवेचन देखने के लिए इन्हें काम करने
से उनका ताकिया ताकिया लिया गया।

- महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाइंड कढ़ाइं प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह
 - देश की उन्नति में महिलाओं की पूरी भागीदारी जरूरी : डॉ. श्रेयांशु
 - एकत्रित होने से समस्त विद्यालयों में विद्यार्थी जोड़ा जाना आवश्यक है। जैसे यह संगठन

विकास में भी योगदान देने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर प्रियंका अधिकारी आई-आईटी, बैंगलूरु के अभ्यास दौरा के दौरान कुछ जैन ने कहा कि यीका राष्ट्र की पूरी उन्नति की हो सकती है कि यह वर्ष विकास के हाथों से भी योगदान द्वारा की भी पूरी भागीदारी हो। इस ईंटीकांग से हमें भारत की आपी उदाहरणीय नानी महिलाओं के लकड़ाखाल और डूबी नानी महिलाएँ विद्या में और अधिकार कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने आजादी के पूर्ण और वाद आजादी के हात लात पर विद्यारथों करते हुए कहा कि ख्याली लगानी नानी राशनिकामिली को पालनी रहींगी है। ख्याली लगानी से महिलाओं का लाभान्वयन और आमदारान्वयन बढ़ाती है। इससे यह प्राचीन परिवारिकालीनों को नवाचनों के समाप्त प्राप्त कर लेती है। आधिकार ईंटी से ख्याली लगानी को हीन भावाना से भी प्रभिक मिलती है। इसलिए आज के दौर में महिलाएँ नानी को पर्यावरण न होकर ख्याली लगानी बनना चाहिए। समापन कार्यक्रम

दूरी विलिंग अधीकारी, बोरबुदू
के आवार्य डॉ शील शरक ने कहा कि
उन प्रशिक्षण महिला औरों को उनकी आप
कामों में सहायता करने के लाय उन्हें
से सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि महिला स्वास्थ्यविकास
में आर्थ के लिए अतिकृत आवार्यमित्र नहीं
हैं। उन्होंने जीवन के सभी क्षेत्रों में उचित
विचारणा की देखता है। एक महिला
जीवन की परिवार एवं समाज की प्रतीक में भी
उत्कृष्ट व्यंगन होना चाहिए। इस अवधार
में भी भारत अधिकारी ने परिवारों
विवरण अधीकरण के लिए सहायता
प्रदान करते हुए कहा कि उन्नत भारत
प्रशिक्षण के लक्ष्य सरकारी योगांशों को
समाज में तक पहुँचाना का कार्य
करना जाता है। इसी प्रभाव में उन्नत भारत
प्रशिक्षण में सिवाय के लिए नियुक्त
सरकारी-काहारी प्रशिक्षण के माध्यम से
उन्होंने अधीकारी के व्यवहारों नवन
का कार्य किया जा रहा है। उन्नत भारत

अधिकारी के व्यवहार सर्वोक्तुक द्वारा मंजूरवाद
में यात्रा दिन तक भवी नियुक्त रियासत
काहारी प्रशिक्षण कार्यालय की दिसेंट्रल प्रायुत्त
की। उन्होंने जबता कि इस लीनन कल
1150 महिलाओं के लिए विकास किया गया।
कार्यालय के माध्यम से महिला औरों को
सिवायी महिले के उपचारों एवं कियाविधि
के लाय उत्कृत संवर्धन का प्रशिक्षण
भी प्रदान किया गया। सरकारी व्यवहार
करते हुए महिला प्राप्त मानवाधिकार व के
प्रायार्य डॉ. प्रदीप कुमार याद ने कहा कि
इस प्रशिक्षण के लिए महाराष्ट्र ग्राम सिक्षा
में से 1150 परिवारों को आधारान्तरीकृत
वर्गने की पालन की जा रही है। इसके आधारान्तरीकृत
परिवारों समें आधी। कार्यालय के सरकारी व्यवहार
आधी लिपि नियम ने लिखा। इस अवधार पर
मानवाधिकार को व्यापक किया जाता है। दोपहर विकास
एवं सेवनक द्वारा सरकारी व्यवहार, सरकारी, नीति,
संस्कृत गैरि तथा व्यवसायों का सरकारी व्यवहार
किया गया। कार्यालय में मानवाधिकार के लिए
उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर
रही समस्त महिलाएं उपचारित रहीं।

महिलाओं को सशक्त बनाने के हो रहे सकारात्मक प्रयास : डॉ. मनहर

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाई कदाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह

निष्पक्षप्रतिदिन | गोरखपर, व्यरो

महिलाओं प्राचीन काल से ही भरत की संस्कृति और समाज का अधिन आग रही है। स्वतंत्रता को पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति कई बारों से

वहस और चिंता का विषय रहे हैं।
हाल के वर्षों में हुए प्रसिद्धि के बावजूद,
भारत में महिलाओं को आज भी कई
मार्याद पर चुनौतियों का सामना करना
पड़ रहा है।

- डॉ मनहर घाटे

मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत
जेके अवन्देशमें डेवलपर्स लिमिटेड
कानपर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगल

विगत कुछ वर्षों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयत्नों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकृत अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियां को लाए रखा है। वह वार्ता महाराष्ट्र प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वावादी एवं महाराष्ट्र प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड, गोरखपुर में 'उन्तन भारत आधिकारियों में इंडिया लिमिटेड' के सहयोग आयोजित सात दिवसीय निशुल्क स्लाइंड- कहानी प्रशिक्षण कार्यशाला के समाप्त समारोह में मंगलवार बौद्ध अतिथि आईआईटी वीएच्यू के आचार्य व ब्रेंयांस कुमार जैन ने कहा कि किसी राष्ट्र की पूर्ण उन्नति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हरके क्षेत्र

महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो जाए। इस अवसर पर उन्नत भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक आशीष कुमार सिंह ने प्रगतावाकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान के तहत सरकारी योजनाओं को आमने-सामने तक बताने एवं पहुंचने का कार्य किया जाता है।

उन्त भारत अभियान संयोजक डॉ मंजेश्वर तक चली निशुल्क प्रशिक्षण कार्यालयों के की। उन्होंने बताया कि कल 1150 महिलाओं ने किया गया समापन अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राची कुमार राव ने कहा कि जरिये महाराष्ट्र प्रताता 1150 परिवारों को आ की पहल शुरू की है। इस परिणाम समाप्त अपर्णे

**महिलाओं को सशक्त बनाने के हा
रहे सकारात्मक प्रयासः डॉ. मनहर**



स्वतंत्र भारत संवन्देशाता गणराज्यपुरा। महिलाएं प्राचीन काल से ही भारत की सूक्ष्मति और समाज का अधिकार अंग रही है। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्वतंत्रता कई बारों से बहस और चिंता का विषय रही है। हाल के बारों में हँस प्रगति के बावजूद भारत में महिलाओं को आज भी कई मोर्चों पर चूनीखटों का सामना करने पड़ रहा है। विंगत कुछ बारों में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं।

यह बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तत्वाचारण के महाराणा प्रताप प्रशिक्षणालय, जंगल भूमि, गोरखपुर में 'उत्तर भारत ग्राम अधिवासन मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अवनन्दनपेप डेवलपमेंट लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रयोगित किया गया इंडिया लिमिटेड के सदस्यों से आयोजित सात दिवसीय नियुक्त सिलाइ-इंकार्डाइंग प्रशिक्षण कार्यशालाके समापन समारोह में मंत्रालय की बतार मुख्य अधिकारी अईआईटी, बीएच्यू के आचार्य डॉ मनबहार चरण ने कही। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का महिलाओं को आलंपत्रकरण बनाने का प्रशिक्षण कार्यशालके माध्यम से किया जा रहा प्रयास अधिनियम एवं सराहनीय विधि। अधिकारी अईआईटी, बीएच्यू के आचार्य डॉ. शेषांश कुमार जैन ने कहा कि किसी गष्ठ की पूर्ण ऊति तभी हो सकती है जब वहां विकास के हेतु क्षेत्र में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी हो। समाज कार्यक्रम के द्वारा विशिष्ट अधिकारी अईआईटी, बीएच्यू के आचार्य डॉ गैल शंकर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को उन्हकी आय बढ़ाने में सहायता करने के साथ उन्हें अधिक रूप से स्वावलंबनी बनाने में सहायता होगा। उत्तर भारत अधिवासन के परियोजना प्रबंधन अधिकारी कुमार सिंह ने प्रासादविकास प्रस्तुत करते हुए कहा कि उत्तर भारत अधिवासन सरकारी योजनाओं को अमजदन तक तक तात्परता एवं पहुंचने का कार्य किया जाता है। उत्तर भारत अधिवासन के कार्यक्रम सम्योजक डॉ मंजेश्वर ने सातां दिन तक चली नियुक्त सिलाइ-इंकार्डाइंग प्रशिक्षण कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान किंतु 1150 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को सिलाइ-मरीन के उपकरणों एवं कियाविधि के साथ कार्यक्रम के कुशल संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया। समापन समारोह की अवधासन करते हुए महाराणा प्रताप प्रशिक्षणालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार रवाना की क्रांति के इस प्रशिक्षण के जेरे महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने 1150 परिवर्गों को आवानिपर्न बनाने की पहल शुरू रक्खी है। इसके आशानकत परिवर्ग मासमान आएगे। संचालन शिक्षा स्थिति ने किया

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : अवनीश अवस्थी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सिलाइं कढाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शभारेभ

पोरखण्डा (विकास केंद्री)। भारत का विकास एवं उनके स्वचलनमय में हिस्सा है। भारत आज सरकारी तरीके द्वारा जारी होने वाले विकास की सभी विधियों में नेतृत्व में विकासित देशों के कम्बे से कम्बा मिलकर अग्रे बढ़ रहा है। इन्होंना का विषय हो रा निर्वाचित, अधिकारी या रुक्म उद्घासनों के निपांग का। यसी शब्दों में भारत को प्राप्त विवेद में जीतूल देखा जा सकता है। अब एप्रिल आमता के सप्त भारत को ओ देख रहा है। ऐसे में हमें भारत को आगे आटाएं अपनी वर्तित अवधियों के विकास एवं स्वचलनमय हो आ और अधिक काम करने की जरूरत है। ऐसे में जेंडे अविनामों द्वारा देखलाएं एवं सिंगाम यष्टि द्वारा अविनित त्रिलोक-काहार प्रशंसन कर्यालय निर्माण-परियोगों के अधिक स्वचलनमय में लिपिट्रॉट के समयों से आपांतक तात दिवसीयों में शास्त्रीय-काहार प्रशंसन कारपालक के उद्घासन असर पर मुख्यमन्त्री के सलाहकार अविनित कुमार विद्यार्थी ने कहा। उन्हें कानून किए केन्द्र और हाल संस्कार की तथा सभी संस्कारी विवेदों के केन्द्र में महिलाओं है। महिलाओं को अग्रे बढ़ावा दिना भारत के विकास के पक्ष पर अग्रे बढ़ावा दी संचार बोलनी है। प्रधानमंत्री ने दो बड़ी कामों के पंच इन का सम्पन्न कराते हुए उद्घासन करा कि भारत के अवासीय के जातविद्य वर्ष वर्ष वर्ष 2047 तक भारत को विकासित रहा करना। तथा सभी का संस्कार होना चाहिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिविधि के रूप में बोलते हुए विषयालय के विवाहक महानायक उद्घासन ने कहा कि भारत की आत्म गति में सकारी है। गंगा की वाहिनाओं की अधिक स्वचलनमय जी दिवस में उत्तम उत्तरावक



प्रश्नकथा कार्यकाल
महत्वपूर्ण है। इस परिषद् नियामन सभा
में अपना संकेत
पोषी अधिकारियों बीच
उत्तम प्रदाना बन चुका
प्रदेश कर्मने की दृष्टि
नियामिकारी कामगारी
प्रश्नकथा नालियां भोज
सभापाल करने के साथ
स्वावलंबने बनने

दिशा में अमाना संक्रिया सुनायें कर रहा है। पिण्ड शास्त्रीय एवं लकड़ी भाषण अधिधारण जैसे प्रकल्पों के माध्यम से भवित्व संरक्षण करने एवं स्वतंत्रता बढ़ावा दिलाने में सहायता द्वारा किया जाने वाले काम प्रशंसनीय है। कार्यक्रम में सिसा रुद्धि तिमिटेंट को एवं प्रभागी हैं। ऐसीवैज्ञानिक अन्यथा जल्द ने उपर्युक्त प्रशिक्षणों के उनके प्रशिक्षण सम्बन्धीय प्रश्नोंमें एवं ज्ञानीय सम्बन्धीय अन्य समाजमें जाकरात्री से परिचित कराया। इसमें पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्यांग द्वारा प्रतिवेद्य कुमार रथ ने उपर्युक्त समस्त अधिधारणों के लकड़ी किया जाने के सम्बन्ध के बहाने प्रोफेसर आर्थिक जीवन ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति शिशा सिंह ने एवं जीवित अभास डॉ. मंजोरेश द्वारा किया। इन उपस्थिति पर महाविद्यालय की छात्राओं विद्यार्थी, दीविजिता एवं सोनिकल द्वारा सामाजिक बन्दन, स्वस्वतंत्रता, संकल्प गति तथा कर्मसूलत का सम्बन्ध बनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे समस्त महिलाएं उपर्युक्त हों।

ग्राम प्रधान

→ श्री राजेन्द्र प्रसाद

बी.डी.सी. सदस्य

→ श्री जय राम

बी.डी.सी. सदस्य

→ श्री गब्बर निषाद

बी.डी.सी. सदस्य

→ श्री अशोक निषाद

बी.डी.सी. सदस्य

→ श्री अमित चौहान

सदस्य

→ श्री तिरथ यादव

सदस्य

→ श्री सुनिल चौहान

सदस्य

→ श्री कन्हई निषाद

सदस्य

→ श्री केशव

सदस्य

→ श्री राम चरन चौहान

मिशन मंड़रिया : 2023&24

प्रारिकार की संख्या	नाम	उम्र	कार्य/विकास	जब यहां है तो	कृषि योग्य भूमि	अन्य आय के स्रोत	भवन—पक्षका / कार्बन	मुद्दा पेशन (यदि लागू है)	विवाह पक्षका (लागू है)	आदर्शान् वाक्यान् (यदि लागू है)	उच्चमंसल दौकनों (यदि लागू है)	किसी अन्य उत्तरार्थी योग्यकारी का लाभ	जनन—क्षम खाता	जनन कोई जानकारी नहीं	यथान् कार्ड (पेटा/लाल सरपटा)	
5	की रमापाल	34	दुर्लभ (कठिन)	90000 पारिक	02-4756	—	पक्षका	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	समेत	समेत
4	विकारी चंद्रेशी	60	मानवी	100 परिवार	01-4756	—	पक्षका	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	—	—
5	की लेण्डल निधान	70	मानवी	300 परिवार	1.5 कर्तीक	—	पक्षका	नहीं प्रियता	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	—	—
3	विकारी रामाली	60	मानवी	300 परिवार	02-4756	—	पक्षका	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	—	—
5	विकारी लक्ष्मीनग	75	वडे विवेश वे. गणेश	1.90000 पारिक	1 जून	—	काला	नहीं प्रियता	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	—	—
8	की दिव्या	34	विकारी	80000 पारिक	1 जून	—	पक्षका	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	—	—
4	की चमानेन	35	मानवी/क पास	300 परिवार	नहीं है	—	पक्षका	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	—	—
4	विकारी दुर्वा शेठी	60	मानवी	300 परिवार	नहीं	—	पक्षका	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	—	—
5	विकारी दमरामी देवी	30	फल—शहीदी कृषकी	राधा नहीं	76	—	पक्षका	नहीं	नहीं	नहीं प्रियते से है	—	लागू है।	—	—	—	—
3	की रोल	29	—	40000 पारिक	2003 दि 160	—	पक्षका	—	—	—	—	—	—	—	—	—
5	की रुपीरेखा	40	राजकीय	80000 पारिक	नहीं	—	पक्षका	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं (यदि लागू है)	लागू नहीं	लागू नहीं	—	—	—	—
7	की लीनद चौधरी	—	सरकारी चै. रघुवी. कृष्ण	—	—	—	पक्षका	—	—	—	—	—	—	—	—	—
5	की गणू	40	लेवर	300 परिवार	नहीं	काला	पात्र नहीं	पात्र नहीं	पात्र नहीं	पात्र नहीं (यदि लागू है)	पात्र नहीं	पात्र नहीं	—	—	—	—

मिशन मंड़रिया : 2023&24

पारिवारिक संकेत	नाम	उम्र	कार्य / विवाह	आय वसि ही तो	छोले पापा भूमि	जन्म काये के लोहर	भवन-पालन / कक्षा	मुक्ता पेशन लागत ही)	किसान पेशन (वार्षिक लागत ही)	अनुदान दीपाला (वार्षिक लागत ही)	उच्चतमा दीपाला (वार्षिक लागत ही)	निती दीपाला (वार्षिक लागत ही)	पानी-बन लाता योजना का लक्ष्य	लाल फोटो पानाकाशी	लाल फोटो लालकाशी
3	ईरा उमस्कराताप	45	मातृदूष	300 रुपये	नहीं	नहीं	पालना	मुक्ता पेशन लागत ही)	नहीं	नहीं	—	—	—	—	—
5	बी. राजकुमार	25	लालकार	25000	नहीं	नहीं	कक्षा	—	—	—	—	—	—	—	—
8	स्टी. वर्मिना निवास	50	विवाही	35,000	ही	—	पालना	—	—	—	—	—	—	—	—
4	जीता. निवास	45	मातृदूष	35,000	ही	—	कक्षा	—	—	ही	ही	—	—	—	—
5	संकल. निवास	27	मातृदूष	48,000	नहीं	—	पालना	—	—	ही	—	—	—	—	—
4	अराधा. युवाद	39	मातृदूष	40,000	नहीं	—	पालना	—	—	नहीं	ही	—	—	—	—
2	धर्मेन्द्र	40	प्रियन्त्री / नानी	72,000	नहीं	—	कक्षा	—	—	नहीं	नहीं	—	—	—	—
4	नवनाथी. निवास	26	मातृदूष	36,000	ही	—	पालना	—	—	नहीं	—	—	—	—	—
8	रामकौल. निवास	50	विवाही	—	ही	—	पालना	—	—	नहीं	—	—	—	—	—
9	मोहिता	50	सारकारी नीकरी	108,000	नहीं	—	पालना	—	—	ही	—	—	—	—	—
5	सराजीगल. निवास	40	पाटग / 9 ती. पाच	108,000	ही	—	पालना	—	—	नहीं	ही	—	—	—	—
3	रामबद्दी. निवास	38	मातृदूष	36,000	ही	—	कक्षा	—	—	ही	ही	—	—	—	—
4	प्रसादिला. वीडैर	45	विवाही / इडी. पाच	—	—	—	पालना	—	—	नहीं	मही	—	—	—	—
4	रोलु	50	मातृदूष	—	ही	—	पालना	—	—	नहीं	ही	—	—	—	—
5	उमादेवा. निवास	35	मातृदूष	72,000	नहीं	—	पालना	—	—	नहीं	ही	—	—	—	—
6	नेमू. लाल वीडैर	65	प्रियांगन / 60 वार्ष	लाल वीडैर ही	—	पालना	ही	—	नहीं	ही	—	—	—	—	—
3	प्रसादिला. निवास	30	मातृदूष	9600	ही	—	कक्षा	—	—	नहीं	—	—	—	—	—
6	प्रसादिला.	45	मातृदूष	9600	ही	—	कक्षा	—	—	नहीं	ही	—	—	—	—
7	प्रसादिला. निवास	45	मातृदूष	14,400	ही	—	पालना	—	—	नहीं	ही	—	—	—	—

मिशन मंड़रिया : 2023&24

परिवर्तन की संख्या	चार्म	उम्र	कापै/चिका	ज्ञाप दरि एवं बुद्धि	ज्ञाप दरि एवं बुद्धि	अत्यं अत्यं अत्यं अत्यं	अत्यं अत्यं अत्यं अत्यं	सिवाय पौष्ट्रण (योग्य लागू हो)	सिवाय पौष्ट्रण (योग्य लागू हो)	तपश्चरला तिसी अंग विवरण (योग्य लागू हो)	तपश्चरला तिसी अंग विवरण (योग्य लागू हो)	ज्ञाप-ज्ञाप विवरण (योग्य लागू हो)	ज्ञाप-ज्ञाप विवरण (योग्य लागू हो)	एवं उत्तराय उत्तराय उत्तराय उत्तराय	
5	जेचा जीवन	40	जुहिये / जाहन	10,000	नहीं	—	कर्म	—	—	नहीं	—	—	—	—	साकेद
6	जीवन-प्रद प्राप्ति	35	जाहन-प्रद / जाहन	20,000	नहीं	—	कर्म	—	—	नहीं	—	—	—	—	नहीं ही
7	जाहन-प्रद	45	जाहन-प्रद	नहीं	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
8	जाहन-प्रद	70	जाहन-प्रद	नहीं	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
9	जिल्ही जिल्हा	74	जाहन-प्रद	100000	नहीं	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
10	जीवि उत्तराय उत्तराय	70	जुहु नहीं	नहीं	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
11	जीवि योग्य योग्य	46	जाहन-प्रद	5000	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
12	जीवि योग्य योग्य	54	जाहन-प्रद	6000	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
13	जीवि योग्य योग्य	45	जाहन	5,000	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
14	जीवि योग्य योग्य	35	जाहन-प्रद	—	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
15	जीवि योग्य योग्य	45	जिल्ही	—	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
16	जीवि योग्य योग्य	69	जाहन-प्रद	10,000	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
17	जीवि योग्य योग्य	35	जाहन-प्रद	5,000	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
18	जीवि योग्य योग्य	66	जाहन-प्रद	—	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
19	जीवि योग्य योग्य	22	जिल्ही / जाहन	—	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
20	जीवि योग्य योग्य	70	R.E.I.—जेचा जीवन	60000	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन
21	जगता देवी	65	काफ़ि नाही	1000	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन	जाहन

मिशन मंड़ाहिया : 2023&24

रिशन मंडाइया : 2023&24

परियार्थी संख्या	नाम	उमेर	कार्य/विवरण	बाल विदि- युति को कैसे बढ़ावा देते हैं	आपके कार्य को सम्पूर्ण कैसे सम्पूर्ण करते हैं	प्रदान पैसा (यदि कोई पैसा दिया जाता है)	प्रदान पैसा (यदि कोई पैसा दिया जाता है)	उत्तमता दिल्ली वाहन (यदि लापू योग्यता का लाभ	उत्तमता दिल्ली वाहन (यदि लापू योग्यता का लाभ	कार्यक्रम को कैसे प्रभावित करता है	कार्यक्रम को कैसे प्रभावित करता है	प्राप्त कर्ता (लाइसेंस/ सरकारी)
२.	लंबे जामा	३५	मालवाही	नहीं	—	प्रधानमंत्री	—	नहीं	नहीं	—	—	सरकारी
२.	लंबे जामा	३५	मालवाही	नहीं	—	प्रधानमंत्री	—	नहीं	नहीं	—	—	सरकारी
२.	लंबे जामा	३५	मालवाही	नहीं	—	प्रधानमंत्री	—	नहीं	नहीं	—	—	सरकारी
२.	लंबे जामा	३५	मालवाही	नहीं	—	प्रधानमंत्री	—	नहीं	नहीं	—	—	सरकारी
२.	लंबे जामा	३५	मालवाही	नहीं	—	प्रधानमंत्री	—	नहीं	नहीं	—	—	सरकारी
१३	राम जातारे शोभान	६०	कुटुंब लोगों	१००००	इक लाख	नहीं	प्रधानमंत्री	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	सरकारी
१	भारतीयी	५०	५ लाख	नहीं	—	प्रधानमंत्री	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	सरकारी
४	विष्णुन	५५	—	१००००	एक लाख	नहीं	कार्यक्रम	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	लाल
०	मोहनदे गुरुदास	७०	सरकारी	—	१० लाख	नहीं	प्रधानमंत्री	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	लाल
२	दिलजीत कुमार	६५	मालवाही	१००००	एक लाख	नहीं	प्रधानमंत्री	१००००	१००००	१००००	१००००	एक लालकी
२	शोभानमाय लाल	६०	चौंडी लाल	५०००	दो लाख	नहीं	प्रधानमंत्री	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	सरकारी
५	निरामा	७०	—	१००००	दो लाख	नहीं	वाचामी	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	सरकारी
३	बालपाठी	५०	गुहिया लाल	२५०००	नहीं	नहीं	प्रधानमंत्री	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	लाल
३	बालिका लिपाद	५०	गुहिया	२०	छिसमिल	नहीं	कार्यक्रम	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	सरकारी
३	शोभाना लिपाद	५०	गुहिया	१०	छिसमिल	नहीं	प्रधानमंत्री	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	सरकारी

मिशन मंड़ारिया : 2023&24

परिवार की संख्या	भाग	उम्र	कार्य/प्रशिक्षा	अधिक वयों के तो	कृषि की पूँजी	अधिक कीमत	भवित्व-प्रक्रम /क्रमांक	बुद्धा पेन (यादृच्छा है)	विद्या प्रश्न (लापू है)	अधिकारण कीजाना (यादृच्छा है)	उपलब्धता कीजाना (यादृच्छा है)	किसी अन्य सफलता योजना का लाभ	जन-जन सहायी योजना की उपलब्धता	जाति-जाति सहायी	जाति-जाति सहायी	
4	विवाही जीविता दंडी	62	कृषि नहीं	5000	15	—	प्राक्षाण	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	—	जाति-जाति सहायी	—	जाति-जाति सहायी	
5	संग्रह निधाय	40	5वीं वास	6000	15	—	प्राक्षाण	नहीं	भावू	नहीं	नहीं	—	मध्यमी व कुटुंबी सहायी	—	मध्यमी व कुटुंबी सहायी	
3	पूर्ण अधिकारी निधाय	45	पूर्णी	9000	2	क्रियान्वित	—	विद्याया शिक्षणी	नहीं	भावू	—	—	विद्याया शिक्षणी नामी निधाया	—	विद्याया शिक्षणी नामी निधाया	
5	रसेध	40	—	—	लाला समझा	नहीं	प्राक्षाण	नहीं	भावू	मस्ती	—	—	—	—	—	
16	मौलि लाल लालाय	60	—	—	कृषि क्रियान्वित	30	300000	प्राक्षाण	नहीं	लै	—	—	पूरा लालायीसा प्राक्षाण	—	पूरा लालायीसा प्राक्षाण	
9	विष्णु लाल लालाय	70	पूर्णी	—	—	250000	प्राक्षाण	नहीं	भावू	नहीं	—	—	—	—	—	
0	चंगापाटी लौहाराज	30	चंगापाटी	160000	क्रियान्वित	07	—	प्राक्षाण	नहीं	मस्ती	—	—	—	—	—	—
4	प्रदर्शनी गोदायान	35	गोदायानी	100000	क्रियान्वित	07	—	प्राक्षाण	नहीं	मस्ती	—	—	—	—	—	—
4	प्रदर्शनी लालाय लालाय	45	लालायी	160000	क्रियान्वित	07	—	प्राक्षाण	नहीं	भावू	—	—	—	—	—	—
5	लालायी लौहाराज	40	लौहाराजी	100000	क्रियान्वित	—	प्राक्षाण	नहीं	—	नहीं	नहीं	—	—	—	—	—
4	प्रदर्शनी गोदायान	45	—	—	—	—	क्रियान्वित	—	भिल्ली	—	—	—	पूरा लालायीसा प्रक्षाण	—	पूरा लालायीसा प्रक्षाण	
6	चंगापाटी लौहाराज	50	मूलायानी	100000	नहीं	—	प्राक्षाण	नहीं	मिलानी ।।	नहीं	नहीं	—	—	—	—	—

मिशन मंड़रिया : 2023&24

परिवार की संख्या	नाम	उम्र	कारों/चिला	वाप दूरी है तो	दूरी वाप पूर्ण	अन्य के छोते	नया-1990/ कच्चा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	प्रिय पैशा (लागू है)	लागूकरण कीजाएगा (यदि चाहा है)	उपलब्धता पूर्ण (यदि चाहा है)	किसी अवधि लक्षणी गोपना का लक्ष	अन्य बातें खाली	कोई चालकारी नहीं	उपरान कार्ड (पीला/ लाल /सफेद)
12	लिंगिरामी देवी	60	शुभमी	—	नहीं	300000	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	नहीं	60000 प्राप्ता	नहीं	—	—	मालेद
4	करनाली देवी	40	शुभमी	—	नहीं	—	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	नहीं	—	नहीं	—	—	कुनाल है
6	रामेश्वर निषाद	55	—	—	02 मास	72000	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	60000 प्राप्ता	नहीं	—	—	मीला
8	राधाराम	75	संतानिकृत ऐरेल	180000	—	—	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	भीचालय	नहीं	—	—	सुनोद
7	मना देवी	70	संतान प्राविंदा	72000	नहीं	—	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	भीचालय	नहीं	—	—	कही
2	लालदानी	50	पुष्पा/सुमित्र	240000	1 वीआ	—	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	भीचालय	नहीं	—	—	लाला
11	लालामणी-देवी	60	पुष्पा	—	30 दिनामध्य	100000	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	कोई जाग्र लागू	नहीं	—	—	—
4	जनरामेश्वर	25	इश्वरप/पापाई-नहीं चिन्हे हैं।	60000	02 मास	—	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	भीचालय भारतारो जन्म है।	नहीं	—	—	मीला
7	पुत्रामी निषाद	70	किलान	45000	किलामिश्र	—	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	करनाली संस्कार मृत्यु धरा	नहीं	—	—	मीला
7	मी लग्नर अक्षय	45	—	—	120000	2 वीआ	—	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	लाला वाला संस्कार मृत्यु धरा	नहीं	—	—	मीली
7	संचालन	40	बुद्धा/माला/पात्र	60000	मालिक	2 वीआ	—	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	बुद्धा लग्न मृत्यु धरा	नहीं	—	—	नहीं
12	रामलक्ष्मी	60	कुमार	—	एक लिंगार	—	बुद्धा	बुद्धा पालन (यदि चाहा है)	लागू नहीं	लागू नहीं	बुद्धा लग्न मृत्यु धरा	नहीं	—	—	सुनोद

मिशन मंड़रिया : 2023&24

प्रदेश की संख्या	नाम	उम्र	कार्य / विद्या	जब यदि है तो	इन बोनस पूँजी के लाभ का सारा	भवन—बहाना / कार्यालय	मुद्रा पैसाने (यादि लागत ही)	विवरण पैसान (लागत ही)	अधिकारी उद्योग का लाभ (यादि लागत ही)	किसी विवरण उद्योग का लाभ (यादि लागत ही)	भवन—बहाना का लाभ (यादि लागत ही)	कार्यकारी जाति	भवन—बहाना का लाभ	कार्यकारी जाति	राष्ट्रीय कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)	
१	पंचांग विद्यालय	२५	लोकव	६०००	३० वर्षाना —	कार्यालय	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	प्रधान कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
२	कार्यालय-क्रियालय	३०	मानवानुकूल विद्यालय	६०००	४ वर्षाना	कार्यालय	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
३	विद्योचन संशोधन	३५	सिविली	५०००८	१ मासान्तर	कार्यालय	५५५५.५५	प्रधान कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)	५५५५.५५	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
४	नेहीं प्राप्तिकर्ता	३५	विद्यालयी	५०००	कार्यालय	३०००	कार्यालय	३०००	कार्यालय	३०००	कार्यालय	३०००	कार्यालय	३०००	कार्यालय	कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
५	विद्योचन	३५	विद्यालयी / ६ वर्षाना	१०००	कार्यालय	५०००	कार्यालय	५०००	कार्यालय	५०००	कार्यालय	५०००	कार्यालय	५०००	कार्यालय	कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
६	नेहीं प्राप्ति	४०	विद्योचन / M.Ed	५०,०००	५०००	कार्यालय	—	कार्यालय	—	नहीं	नहीं	५०००	नहीं	५०००	नहीं	कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
७	पुस्तकोत्तरालय	५५	मानवानुकूल विद्यालय	६०,०००	५ वर्षाना	कृषि	प्रधान	नहीं	५०००० अद्य लागत ही	५०००० अद्य लागत ही	५०००० अद्य लागत ही	५०००० अद्य लागत ही	५०००० अद्य लागत ही	५०००० अद्य लागत ही	५०००० अद्य लागत ही	प्रधान कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
८	विद्योचन प्राप्ति	३५	मनुष्योदय / कैफ्टन ०	१०,०००	१ मासान्तर	कार्यालय	१०,०००	कार्यालय	१०,०००	नहीं	नहीं	१०,०००	नहीं	१०,०००	नहीं	कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
९	विद्योचन	३५	शृंगराम / प्राप्ति नहीं	५००८	१ मासान्तर	विद्यालयी	५००८	विद्यालयी	५००८	नहीं	नहीं	५००८	नहीं	५००८	नहीं	कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)
१०	विद्योचन संशोधनी	३०	मानवानुकूल विद्यालयी	५२०८	२ वर्षाना	विद्यालयी	५२०८	विद्यालयी	५२०८	नहीं	नहीं	५२०८	नहीं	५२०८	नहीं	कार्यक्रम का लाभ (यादि लागत ही)

मिशन मंड़रिया : 2023&24

परिवार की संख्या	नाम	उम्र	कार्य/विद्या	लाय यादि हुई तो	दूषित होने की सुनि	कान्य को सोत	भवन—पृथक /कठखाली	चुक्का पैण्ड (यादि आप हैं)	चिक्का पैण्ड (यादि का है)	आधुनिक वाहन (यादि जाग है)	उद्योगवाला दीजनी (यादि लाग है)	चिक्की अवध सरकारी योजना का लाभ	अनन्द—व्याप कार्य का लाभ	कान्य कोई पाराकारी नहीं	साधन का पैण्ड / साल / सफेद
2	प्रासाद	25	लेवर / साथार	10000	नहीं	नहीं	छात्रावार	पाराकारी	पाराकारी	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
3	प्रदीप बहारी	25	रियल / ५ वास	—	—	नहीं	पाराकारी	नहीं	नहीं	नहीं	कोई लाभ नहीं	—	—	नहीं	नहीं
4	श्रुति	75	सूली	नहीं है	नहीं	नहीं	पाराकारी	नहीं	नहीं	नहीं	कुछ लाभ	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
5	प्रदीप बहारी	30	उपायिकी / कार्या - B इकाई	10,000	लाइ	लाइ	पाराकारी	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ
6	रामेश्वर चौहान	45	एवामिनी/एवार्ड नहीं हैं	20,000	लाइ	लाइ	पाराकारी	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ
7	रोहन	20	सालादूर / रेडी-नहीं	10000	लाइ	लाइ	पाराकारी	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ	लाइ
8	रामेश्वर किशन	55	—	—	—	—	पाराकारी	—	—	—	कुछ लाभ नहीं	—	—	—	—
9	लीला चौहान	50	लेवर	अपार्टमेंट पारिषद	—	—	पाराकारी	—	—	—	—	कोई लाभ नहीं	—	—	—
10	कीमती अमरनाथी लेली	50	मुख्यमं	10000	पारिषद	नहीं	पाराकारी	नहीं	नहीं	—	—	कोई लाभ नहीं	—	—	कमीज

मिशन मंड़ारिया : 2023&24

परिवहर में संतान	नाम	उम्र	कार्य/विकास	लाभ दरी हो तो	कृषि भूमि	अद्य के चारों	भूमि-पूर्वक क्रमागत	मुद्रा पैकेन (पर्याप्ति के)	विवाह पैशान (लागू की)	उत्तमतात्मा दीक्षा (पर्याप्ति के)	फिरी अन्य पैकेन	वान्-वान दाता	वान्-वान जानकारी	वान्-वान जानकारी	वान्-वान जानकारी (प्रैस/ लाल /प्रारंभ)	
५	श्री मुख्य चौधरी	35	जोड़	2000 सारिया	—	नहीं	जीपरी	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—
६	श्री जगद्दीप	70	प्रियंका / सारिया	—	—	सरोवरामा (प्रियंका)	—	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—
७	कलिल	35	सराहनु / नियता	5000 पारिया	—	नहीं	पूरका	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—
८	साराहनी देखी	70	—	—	—	—	पूरका	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—
९	भाग्यली चौधरी	84	—	9000 मारिया	—	नहीं	पूरका	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—
१०	विरजना	63	—	6850 मारिया	—	—	पूरका	—	—	—	—	—	—	—	—	—
११	लक्ष्मण	50	मारिया	—	—	—	पूरका	—	—	—	—	—	नाहीं करने के	—	—	—
१२	प्रियंका	70	प्रियंका पारस	—	—	—	पूरका	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—
१३	समदयाल	50	—	—	—	—	पूरका	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—
१४	सुरक्षा उमानी	40	प्रियंका / पारस	5000	—	नहीं	पूरका	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—
१५	मुख्याल लिपावत	42	लेला	6,000	—	नहीं	पूरका	—	—	—	—	—	नहीं	—	—	—

मिशन मंड़ारिया : 2023&24

प्रश्नारूपी संख्या	नाम	उम्र	कार्य / विषय	लक्ष्य की दिक्षा होती है तो उसे धूमि पुराणे अन्य की ओर लेते	अन्य की ओर लेते	अन्य की ओर लेते	वृक्षों पौधों की कार्यक्रम / कार्यक्रम	वृक्षों पौधों की कार्यक्रम (यदि लागू हो)								
5	श्री पुष्पने चौहान	35	लोक	2000 लाखियाँ	नहीं	नहीं	जापानी	—	—	—	—	—	—	—	—	—
6	श्री जगद्दीप चौहान	70	लोक	प्रभावणा और विद्युतियाँ	—	—	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4	मनोज चौहान	35	संसदीय / नियोजन	2000 लाखियाँ	है	नहीं	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4	जगद्दीप चौहान	70	लोक	—	है	नहीं	प्रभावणा	प्रभावणा की विकास विधायिका								
4	भारती चौहान	84	लोक	9000 लाखियाँ	है	नहीं	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—
14	विजयमा	63	मार्गिका	6000 लाखियाँ	है	—	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—
6	ललतचन्द्र	50	मानविक	—	है	—	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—
6	शिला चन्द्र	70	गौतमी पास	—	है	नहीं	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—
6	जगद्दीप चौहान	50	लोक	—	है	नहीं	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3	जगद्दीप चौहान	40	संसदीय / नियोजन	9000 है	है	नहीं	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4	प्रसाद लिपात	42	लोक	6000 लाखियाँ	है	नहीं	प्रभावणा	—	—	—	—	—	—	—	—	—

मिशन मंड़रिया : 2023&24

परिवर्तन की संख्या	नाम	उम्र	कार्य / निकाय	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	किसी अन्य वर्षां की साथ की संख्या	वर्षां की साथ की संख्या						
6	अमृतसर	35	मानवाधीनिकार	10000 सारिलाल	0	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	नहीं	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
3	महेंद्र	27	मानवाधीनिकार	15000 सारिलाल	0	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	नहीं	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
4	मुकेश	30	कानूनीविधि / समाज	15000 सारिलाल	0	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	—	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
5	कुमारदत्त			4200 सारिलाल	0	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	—	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
5	लिपिनगर, लोहान	45		0	—	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	—	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
3	लिपिनगर, लोहान	50	वर्षां पूर्वी	0	—	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	—	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
3	रामेश्वर	65	मानवाधीनिकार	35000	0	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	—	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
3	लालापुरी	—	कानूनीविधि	0	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	—	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—	
3	लीलाचल निष्ठाल	29	कानूनीविधि (मिहारी)	—	प्रतिक्रिया	—	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	नहीं	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
10	लालाचल निष्ठाल	65	कानूनीविधि / समाज	—	कोड भारत	नहीं	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	नहीं	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
6	लिपिनगर लोहान	44	निकाय	3000 हीरोनिक	2 मध्यम	नहीं	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	—	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—
6	पर्मा लोहान	34	मानवाधीनिकार / पास	300 हीरोनिक	1 मध्यम	नहीं	प्रतिक्रिया	वर्षां पूर्वी की साथ की संख्या	—	—	भारत सर्वजनिक विद्युत विभाग	—

मिशन मंड़रिया : 2023&24

परिवार की संख्या	वास्तु	उत्तम	कार्य / निष्कार्य	आय वापर	इनीशियल हेतो	भूमि क्षेत्र के द्वारा	भवन—पृष्ठाएँ / कक्षाएँ	मुद्रा पेशन (दोषे लागू हो)	पिण्डा पेशन (लागू हो हो)	आपूर्यमान दिलेखला एकारी (पादि लागू हो)	उपजिला किसी अवधि एकारी (पादि लागू हो)	अन्य कोई चालकाई	रक्षण कार्य (दोषा / साल / चालेय)	
3	पुम् निषाद	40	मानवान् / भूमि पास	—	नहीं	मनुष्यों	पासका	नहीं	—	गहीं	नहीं	ही	—	—
5	आपूर्यमान	40	आपूर्य / उमी लागू	10,000 रु. मासिक	ही	ग्रामी	पासका	गहीं	ही	गहीं	ही	ही	—	ग्रामी
4	ग्रामी हालत निषाद	40	आपूर्य / निषाद	—	नहीं	ग्रामी	पासका	नहीं	—	नहीं	ही	ही	—	ग्रामी
6	बालकिल्लुन निषाद	34	मानवी	300 रु. देविका	3 कक्षाएँ	प्राचीन रिकार्ड कारों हो।	पासका	नहीं	गहीं	नहीं	—	ही	—	ग्रामी
2	शिक्षा निषाद	26	प्रदर्श (ग्रामी)	100 रु. देविका	2 दोषे मासिक	—	पासका	नहीं	नहीं	—	—	नहीं	—	नहीं
2	इच्छाकारी दोषा	19	काल किसी हो।	—	—	—	पासका	गहीं	ही	गहीं	ही	ही	नाहीं पातो की समस्या	ग्रामी
7	किलोग्रामी	60	12 लागू की परामर्श	—	—	—	पासका	नहीं	ही	ही	ही	ही	—	ग्रामी
4	मेघाती	46	कर्तव्य कुरतो हो।	—	1 पासका	नहीं	पासका	नहीं	—	नहीं	ही	ही	—	उत्तम
4	टिकीप निषाद	26	मानवी	300 रु. देविका	नहीं	पासका	नहीं	गहीं	लागू नहीं	ही	ही चालाय जा निकाला	ही	—	उत्तम
4	सुनाश निषाद	34	मानवी	300 रु. किराज	1 मास	पासका	नहीं	गहीं	लागू नहीं	ही	ही चालाय जा निकाला	ही	ग्रामी नहीं करा ही।	समाध
4	आपूर्यमान निषाद	31	मानवी	300 रु. देविका	6 दिवाहिले	पासका	नहीं	गहीं	लागू नहीं	ही	ही चालाय जा निकाला	ही	नाहीं नहीं करा ही।	समाध
6	दीपिनदी	59	—	लागू कराया	—	पासका	नहीं	ही	नहीं	ही	ही	ही	—	समाध

मिशन मंड़ारिया : 2023&24

परिषदार की संख्या	नाम	उम्र	कार्य / विकास	अग्र पर्याप्ति से तो	उत्ति पानी	वायु सायं स्रोत	अधिक- प्रबल	चुन्ना प्रकार (यादि लगा के)	विकास प्रकार (लगा के)	कानूनी क्रांति सारक (यादि लगा के)	क्रांति सारक का (प्रेसा / सार्व शक्ति)
1.	प्रमुख प्रभारी	50	—	—	2 महिनों	—	—	—	—	—	—
3.	विद्युत विभाग	207	भवानी	80000 माहिकी	राजी	नहीं	जनज्ञान	नहीं (लगा के)	नहीं (लगा के)	नहीं (लगा के)	नहीं (लगा के)
4.	लाल चिपारी	302	भवानी	50000 माहिकी	नहीं	नहीं	कानूनी	प्राच नहीं	नहीं	नहीं	नहीं (लगा के)



**नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी 'बी'
महाराणा प्रताप महाविद्यालय,
जंगल धूसड़, गोरखपुर-273014**